

S-18

अभिलेख उपस्थापित। समय पत्र  
अप्रचमिकी सं० 36116 दिनांक 8-7-16 प्रस्तुत उचित  
प्रतिवेदन के आधार पर दिनांक 29-8-16 को प्रथम  
अपीलत हुए एवं द्वितीय पत्र के क्रमांक 02 जजपुराम  
महती अपीलत हुए क्रमांक 01 कलैक्ट महती  
वाद में एक बार भी अपीलती दर्ज नहीं कराए।  
द्वितीय पत्र क्रमांक 01 को न्यायालय में अपीलत  
होने हेतु येतवनी नोटिस एवं वॉलेंट निर्गत किया  
गया किन्तु वे अपीलत नहीं हुए। वाद के दौरान  
द्वितीय पत्र क्रमांक 02 की फोटो से अधिवक्ता द्वारा  
न्यायालय में आवेदन देकर निवेदन किया गया  
कि वे उसके विधि को न्यायालय में अपीलत  
होने का रहे हैं। जो एक वरिष्ठ नागरिक है जिसकी  
उम्र 70 वर्ष से ऊपर है। यह कि यह एकदम  
एक जन से उपा दी गया है द्वितीय पत्र क्रमांक  
02 एक गरीब एवं वरिष्ठ नागरिक है एवं  
उत्प्रेक विधि को न्यायालय आकर परेशान ही  
जाते हैं। उक्त तथ्यों का अवलोकन करते  
हुए द्वितीय पत्र अधिवक्ता ने वाद को  
स्वतंत्र कार्य का निवेदन किया है।



तिथि

आदेश एवं पदाधिकारी का हस्ताक्षर

उपरोक्त पत्र के अधिलेखन द्वारा भी वार्ड  
का वन्द काल की मौखिक स्वीकृति दी गई  
है।

अतः उक्त वार्ड में अधिलेखन की कार्रवाई  
वन्द की जाती है।

लेखनापित एवं अंशोधित

कार्यपालक दण्डाधिकारी  
बुध (रांची)

20/8/18  
कार्यपालक दण्डाधिकारी  
बुध (रांची)